स्वच्छता समाचार

खंड 4 I अंक 27

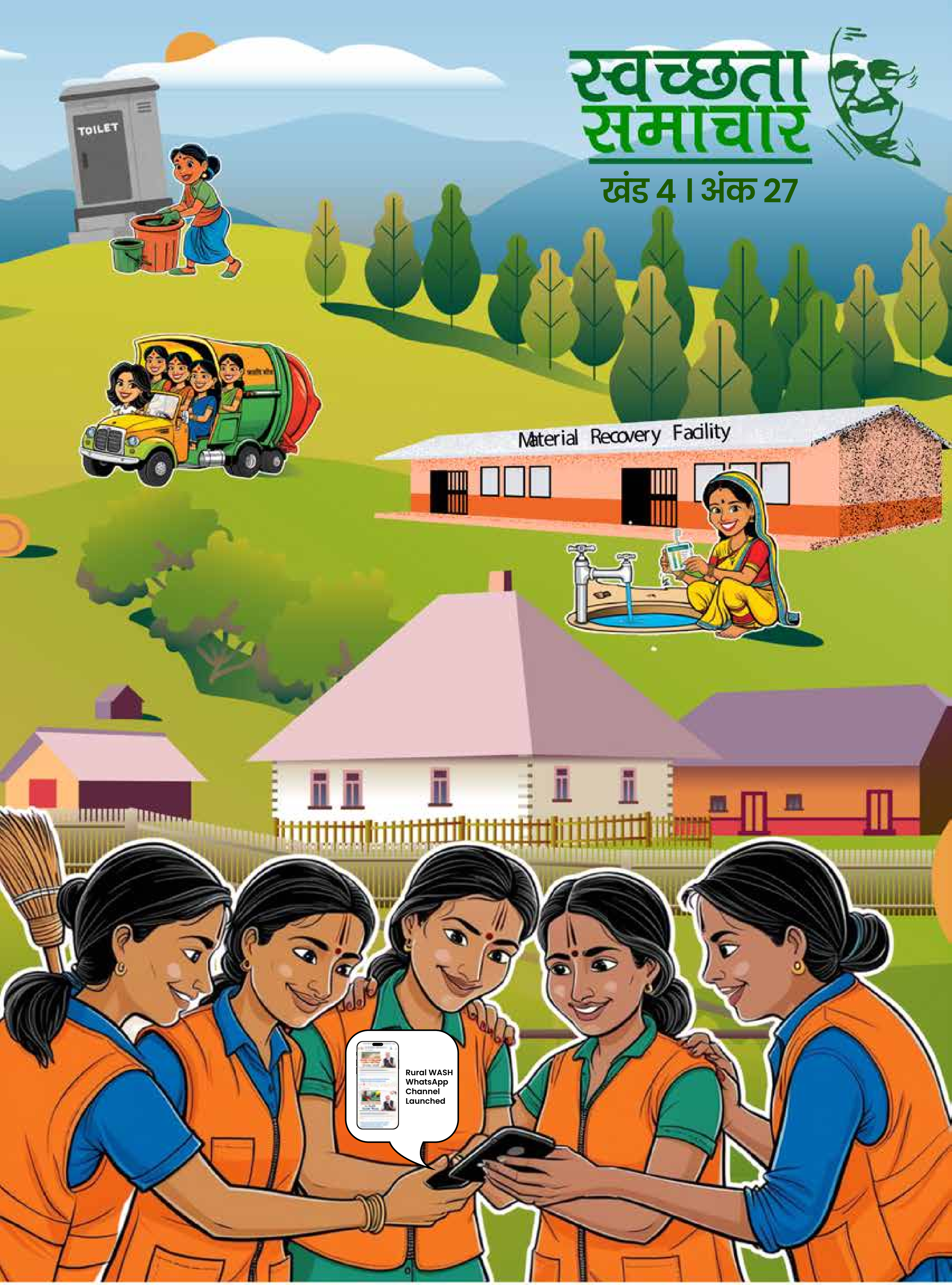

केंद्रीय मंत्री की कलम से

मार्च माह में, हम दुनिया भर में महिला दिवस का उत्सव मनाते हैं-लेकिन स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन में, हमने बहुत पहले से ही महिला-उत्सव मना रहे हैं और उन्हें सशक्त बनाया है। महिलाएँ न केवल अग्रणी लाभार्थी रही हैं, बल्कि ग्रामीण भारत में वॉश की सबसे प्रबल समर्थक भी रही हैं। स्वच्छता अभियानों का नेतृत्व करने से लेकर अपने घर पर सुरक्षित जल सुनिश्चित करने तक, उनके नेतृत्व ने परिणामों को श्रेष्ठ बना दिया है और समुदायों को प्रेरित किया है। चूंकि हम इस विशेष महीने को यादगार बनाते हैं, अतएव हम अपने प्रयासों के केंद्र में महिलाओं को रखने की अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हैं और इसकी पुन: पुष्टि भी करते हैं क्योंकि जब महिलाएं नेतृत्व करती हैं, तो प्रगति बनी रहती है।

श्री सी. आर. पाटिल
केंद्रीय मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय

केंद्रीय राज्य मंत्री की कलम से

सच्ची प्रगति जमीनी स्तर से शुरू होती है और ग्रामीण भारत में महिलाएं ही आगे की राह रोशन कर रही हैं। हर पंचायत, हर घर और हर जल स्रोत पर महिलाओं की उपस्थिति और शक्ति से हमारे गांवों का भविष्य संवर रहा है। स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन के माध्यम से, हमने देखा है कि महिलाएं चुनौतियों को अवसरों में बदल देती हैं—वे गरिमा सुनिश्चित करती हैं, वे स्वास्थ्य को बढ़ावा देती हैं, और क्षमता निर्माण भी करती हैं। चूंकि हम इस मार्च में महिला दिवस का उत्सव मना रहे हैं, अत: हमें यह भी स्वीकार करना चाहिए कि वॉश की कहानी हमेशा से आगे बढ़कर नेतृत्व करने वाली महिलाओं की कहानी रही है।

श्री वी. सोमण्णा
केंद्रीय राज्य मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय

सचिव की कलम से

इस महीने में हम देश भर में महिला दिवस का उत्सव मनाते हैं, हम इस बात को स्वीकार करने में गर्व महसूस करते हैं कि हमारे ग्रामीण वॉश प्रयासों के पीछे अनगिनत महिलाओं की प्रेरक शक्ति है। स्वच्छता परिसंपत्तियों के रखरखाव का प्रबंधन करने वाले प्रमुख स्वयं सहायता समूहों से लेकर पारिवारिक स्तर पर कचरा संग्रहण और कचरे का पृथक्करण सुनिश्चित करने और ऐसे अनेक कार्यों के जरिए, महिलाएं उद्देश्य और गर्व के साथ ग्रामीण स्वच्छता के भविष्य को आकार दे रही हैं। रूरल वॉश व्हाट्सएप चैनल के माध्यम से, हमने इस मार्च में इलाबातिज़, पूर्णिमा और सुशांती जैसी नेत्रियों और कई अन्य नेताओं की प्रभावशाली कहानियां देखी हैं - जिनकी प्रतिबद्धता न केवल कार्यक्रम को विकसित करने में मदद कर रही है, बल्कि पूरे समुदायों को इसमें शामिल होने के लिए प्रेरित भी कर रही है। ये महिलाएं केवल भाग ही नहीं ले रही हैं; अपितु वे इस कार्य को अग्रणी रूप से संभाल रही हैं और ग्रामीण विकास को नई पहचान दे रही हैं।

श्री अशोक कुमार कलुआराम मीना

सचिव, DDWS, जल शक्ति मंत्रालय

मिशन निदेशक की कलम से

SBM के केंद्र में हमेशा महिलाओं में गरिमा और आत्म-विश्वास की भावना को उद्भूत करने की दृढ़ प्रतिबद्धता रही है। हर परिवार के लिए सुरक्षित स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए शुरू किए गए एक आंदोलन आज ग्रामीण भारत में बदलाव का नेतृत्व करने वाली महिलाओं की कहानी का रूप ले लिया है।

चूंकि हम कार्यक्रम के अंतिम वर्ष में हैं, यह देखकर खुशी होती है कि महिलाएं न केवल भाग ले रही हैं, बल्कि स्वच्छता परिसंपत्तियों के रखरखाव का प्रबंधन कर रही हैं, अपशिष्ट संग्रहण और पृथक्करण का नेतृत्व कर रही हैं, और जमीनी स्तर पर व्यवहारवादी परिवर्तन ला रही हैं। हमारी सामुदायिक जुड़ाव की कार्यनीतियाँ इस बदलाव के इर्द-गिर्द केंद्रित हैं क्योंकि जब महिलाएं नेतृत्व करती हैं, तो समुदाय उनका अनुसरण करते हैं। इस महीने रूरल वॉश व्हाट्सएप चैनल पर इलाबातिज़ से पूर्णिमा और सुशांती तक साझा की गई कहानियां इस बात की प्रभावशाली स्मृतियां हैं कि ये मिशन केवल सेवाएं प्रदान नहीं कर रही हैं, बल्कि महिलाओं के नेतृत्व में परिवर्तन को सक्षम बना रहे हैं।

श्री जितेन्द्र श्रीवास्तव

संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक (SBM-G), पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय

कार्यक्रम की उपलब्धियां

27 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार

ODF PLUS

- भारत के 4.47 लाख से अधिक गांवों ने खुद को ODF Plus Model घोषित किया
- 5.05 लाख से अधिक गांवों में है ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्था
- 5.22 लाख से अधिक गांवों में है तरल कचरा प्रबंधन की व्यवस्था
- 4,713 से अधिक ब्लॉकों में 1,821 से अधिक प्लास्टिक कचरा प्रबंधन इकाई
- 1,210 से अधिक पंजीकृत बायोगैस संयंत्र
- 895 से अधिक कार्यशील बायोगैस संयंत्र
- 77 पूर्ण बायोगैस संयंत्र
- घर-घर से कचरा लाने और ले जाने के लिए 6.13 लाख से अधिक वाहन

Pakhwada Activities: March, 2025

वस्त्र मंत्रालय

- NIFT परिसर में एक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें एक चिकित्सक द्वारा व्यक्तिगत स्वच्छता और सामुदायिक स्वास्थ्य पर चर्चा की गई। इसके बाद महिला कर्मचारियों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया।
- नई दिल्ली स्थित NIFT परिसर में 'कचरे से सर्वश्रेष्ठ बनाने' पर केंद्रित एक प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- 'स्वच्छता के लिए प्लास्टिक प्रतिबंध: समाधान या एक पिछड़ा कदम' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- महाराष्ट्र स्थित कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया कार्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया।
- स्वच्छ भारत अभियान और स्वच्छ कार्यस्थल को बढ़ावा देने में उसके प्रभाव पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- जूट मिलों ने 'स्वच्छता में जन भागीदारी' थीम के अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया।

इस्पात मंत्रालय

- समुदाय में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कर्मचारियों और सफाई मित्रों के साथ वॉकथॉन आयोजित किया गया।
- कोलकाता के न्यू टाउन क्षेत्र में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया।
- MSTC मुख्यालय में स्वच्छता पर आधारित एक लघु नाटिका प्रस्तुत की गई।
- स्थानीय प्राथमिक विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- सिंगल यूज़ प्लास्टिक के विकल्प को बढ़ावा देने के लिए कपड़े के थैले वितरित किए गए।
- खनन क्षेत्रों में तालाबों, कुओं और हैंडपंपों की सफाई के लिए अभियान योजनाबद्ध किए गए।
- MSTC कर्मचारियों के बच्चों के लिए कला प्रतियोगिता आयोजित की गई। सार्वजनिक शौचालयों और कार्यालयों के पास थीम आधारित दीवार चित्रकारी की योजना बनाई गई।
- वरिष्ठ अधिकारियों ने सफाई मित्रों से सीधे संवाद कर उनकी चुनौतियों को समझने का प्रयास किया।

जल शक्ति मंत्रालय

- एक सेल्फी प्वाइंट स्थापित किया गया, जिसमें NIH के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।
- राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण मुख्यालय के पास स्थित पार्क में स्वच्छता गतिविधियाँ आयोजित की गईं।
- विश्व जल दिवस पर सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कार्यालय (दक्षिण) द्वारा जल संरक्षण पर जनजागरूकता रैली निकाली गई।
- हिमनद संरक्षण पर एक पैनल चर्चा WAPCOS द्वारा आयोजित की गई।
- NERIWALM के कर्मचारियों ने स्वच्छता शपथ ली और परिसर में स्थित विद्युत उप-स्टेशन पर सफाई अभियान चलाया।
- हम्पी पावरहाउस और बांध क्षेत्र में स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया।
- NWDA कार्यालयों में स्वच्छता से संबंधित बैनर और पोस्टर लगाए गए, जिसके बाद कार्यालय प्रमुख द्वारा स्वच्छता पर एक संवाद आयोजित किया गया।

स्वच्छता समाचार

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
MINISTRY OF WOMEN AND CHILD DEVELOPMENT

महिला और बाल विकास मंत्रालय

- मृणालज्योति ज्योतिनिवास में न्यूट्री-किचन गार्डन विकसित किए गए; फूलों के गमलों की सफाई और देखभाल कर्मचारियों और बच्चों द्वारा की गई।
- गुंटूर के चाइल्ड होम में स्वच्छता जागरूकता सत्र आयोजित किए गए, जिनमें स्वास्थ्य और स्वच्छता पर सरकार के फोकस को उजागर किया गया।
- बच्चों के बीच मास्क, सैनिटाइज़र और साबुन वितरित किए गए और इनके नियमित उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया गया।
- मिज़ोरम स्थित लिटिल वुड गर्ल्स होम में नाखून काटना, हाथ धोना और अलमारी की सफाई जैसी स्वच्छता गतिविधियाँ आयोजित की गईं।
- अभियान के दौरान अंदर-बाहर की सफाई, हाथ धोना, नाखून काटना, बाल कटवाना और चित्रकारी जैसी गतिविधियाँ की गईं'
- लिटिल वुड गर्ल्स होम, खॉजोल (मिज़ोरम) में स्वास्थ्य और स्वच्छता पर वेबिनार, कार्यशाला, फिल्म प्रदर्शन और कविता प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- शौचालयों, वॉश बेसिन और रसोई में बहते पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की गई; सभी स्थानों पर साबुन की उपलब्धता के साथ-साथ बार-बार छूए जाने वाले सतहों की नियमित सफाई और सैनिटाइजेशन किया गया।

ग्रामीण वॉश व्हाट्सएप चैनल

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (SBMG) और जल जीवन मिशन (JJM) ने मार्च में ग्रामीण वॉश व्हाट्सएप चैनल लॉन्च किया है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण जल और स्वच्छता प्रयासों में संचार और जुड़ाव बढ़ाना है। अपने पहले कदमों में से एक के रूप में, चैनल ने राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में ग्रामीण वॉश में बदलाव लाने वाली उन महिलाओं की कहानियों पर प्रकाश डाला जो स्वच्छता स्कीमों को लागू करने से लेकर सुरक्षित पानी तक पहुंच सुनिश्चित करने और बेहतर स्वच्छता प्रथाओं के लिए समुदायों को जुटाने तक बहुत सी चुनौतियों का सामना करती हैं।

इन जमीनी स्तर के चैंपियनों ने न केवल इन कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए अथक प्रयास किया है, बल्कि में अपने समुदायों के भीतर बदलाव की आवाज भी बन गए हैं। चाहे सफाई कर्मचारी, जल समिति के नेता या स्वास्थ्य अधिवक्ता के रूप में, उन्होंने ग्रामीण भारत में स्वच्छ पानी और स्वच्छता को वास्तविकता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रुरल वॉश व्हाट्सएप चैनल को प्रमुख अपडेट, सफलता की कहानियों और दूसरों के बीच जमीन से सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए डायरेक्ट इंटरैक्टिव प्लेटफॉर्म बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह एक अतिरिक्त संचार तंत्र के रूप में काम करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि विभाग की मुख्य बातें, अभिनव प्रथाएं और महत्वपूर्ण जानकारी हितधारकों तक प्रभावकारी तरीके से पहुंचे।

जैसे-जैसे यह पहल बढ़ती है, यह उन लोगों को उजागर करना जारी रखेगी जो ग्रामीण स्वच्छता और जल प्रबंधन प्रयासों को बढ़ाने के लिए सूचना के प्रवाह को मजबूत करते हुए अंतर करते हैं।

अधिक अपडेट के लिए बने रहें और इन चेंजमेकर्स के अथक प्रयासों का जश्न मनाने में हमसे जुड़ें।

ग्रामीण व्हाट्सएप चैनल से जुड़ने के लिए स्कैन करें:

एलाबती रभा:
असम के उजन राभापारा में स्वच्छता चैंपियन महिला

असम के बोंगाईगांव जिले की हरी-भरी हरियाली में बसा, उजन राभापारा एक सुंदर गांव से भी कहीं अधिक है - यह स्वच्छता और स्थिरता का एक प्रतीक है। लुप्तप्राय गोल्डन लंगूर का घर, काकोलजाना गांव पंचायत के तहत यह गांव समुदाय के नेतृत्व वाले पर्यावरण संरक्षण के एक चमकदार उदाहरण के रूप में उभरा है। इस परिवर्तन के केंद्र में स्थानीय महिला समूह की प्रभावशाली अध्यक्ष सुश्री इलाबाती राभा हैं, जिनके नेतृत्व ने स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन के लिए गांव के दृष्टिकोण को फिर से परिभाषित किया है

स्वच्छता के लिए एकजुट एक समुदाय

सामूहिक कार्रवाई के महत्व को पहचानते हुए, सुश्री इलाबाती राभा ने स्वच्छता बनाए रखने के लिए पूरे गांव को एकजुट किया है। हर रविवार, प्रत्येक परिवार से कम से कम एक सदस्य गांव-व्यापी सफाई अभियान में भाग लेता है। जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए, **शामिल होने में विफल रहने वालों पर 50 रुपये का मामूली जुर्माना लगाया जाता है,** एक ऐसा कदम जिसने अनुशासन को बढ़ावा दिया है और सामुदायिक भागीदारी को मजबूत किया है। यह पहल सड़कों और नालियों की सफाई से परे फैली हुई है-इसमें सामाजिक स्थान, पर्यटन स्थल और यहां तक कि गांव की प्राकृतिक सुंदरता का संरक्षण भी शामिल है।

इलाबाती राभा के अटूट समर्पण ने उजान राभापारा को एक आदर्श स्वच्छ गांव में बदल दिया है। उनका नेतृत्व साबित करता है कि **जब महिलाएं कार्यभार संभालती हैं, तो पूरा समुदाय फलता-फूलता है।** एक स्पष्ट दृष्टि के साथ, वह और उनकी टीम अपने गांव को जिले में सबसे स्वच्छ बनाने की इच्छा रखती है। उनके प्रयास, नवाचार और सामूहिक जिम्मेदारी में निहित हैं और केवल स्वच्छता बनाए रखने के बारे में नहीं बल्कि एक स्थायी और पर्यावरण-सचेतक भविष्य को बढ़ावा देने के बारे में हैं।

अधिक पढ़ने के लिए, ***यहां क्लिक करें***

कदेशवाल्या: अपशिष्ट प्रबंधन के माध्यम से परिवर्तन लाने वाली महिलाएं

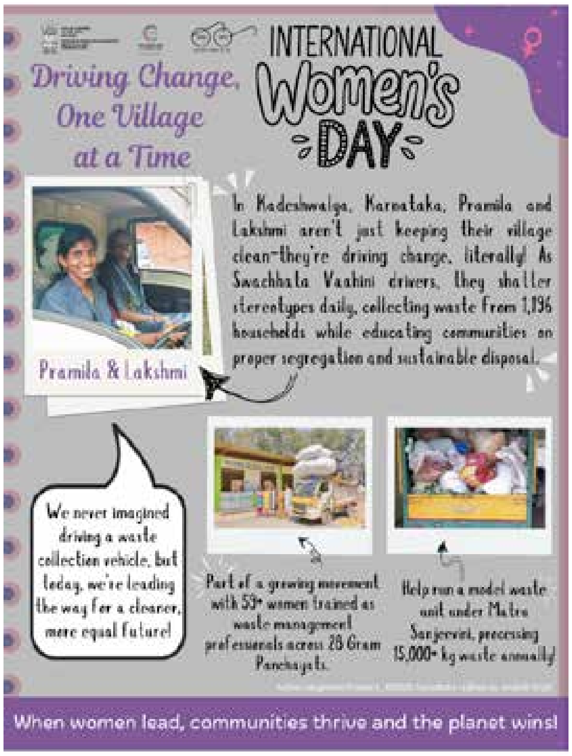

कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ में, कदेशवाल्या ग्राम पंचायत स्वच्छता और महिला सशक्तिकरण में एक उल्लेखनीय उदाहरण स्थापित कर रही है। **स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)** के माध्यम से, गांव ने महिलाओं के लिए नए अवसर पैदा करते हुए अपशिष्ट प्रबंधन में क्रांति ला दी है।

प्रमिला और लक्ष्मी, दो दृढ़ निश्चयी महिलाएं, स्वच्छता वाहिनी चालक बनकर लैंगिक रुढ़ियों को तोड़ चुकी हैं। 1,196 **घरों से कचरा इकट्ठा करके**, वे सिर्फ अभियान नहीं चलाती हैं; वे अपने समुदाय को अपशिष्ट पृथक्करण और स्थायी निपटान पर शिक्षित करती हैं।

कदेशवाल्या की सफलता **Matru Sanjeevini Okkoota द्वारा संचालित है, जो एक मॉडल** अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई **का प्रबंधन करने वाला एक स्वयं सहायता समूह है,** जो सालाना 15,000+ किलोग्राम कचरे का निपटान करता है। अपने 25 SHG के साथ, एक छत्रीय यह पहल महिलाओं को वित्तीय स्वतंत्रता, कौशल विकास और सामाजिक मान्यता प्रदान करती है। **28 ग्राम पंचायतों में अपशिष्ट पेशेवरों के रूप में प्रशिक्षित 59 से अधिक महिलाओं के साथ,** कदेशवाल्या राज्य भर में गांवों को प्रेरित कर रहा है।

अधिक पढ़ने के लिए, ***यहां क्लिक करें***

एक समय में एक परिवार को बदलने के लिए प्रेरणादायक: पूर्णिमा देवी की स्वच्छता अपशिष्ट संग्रह कहानी

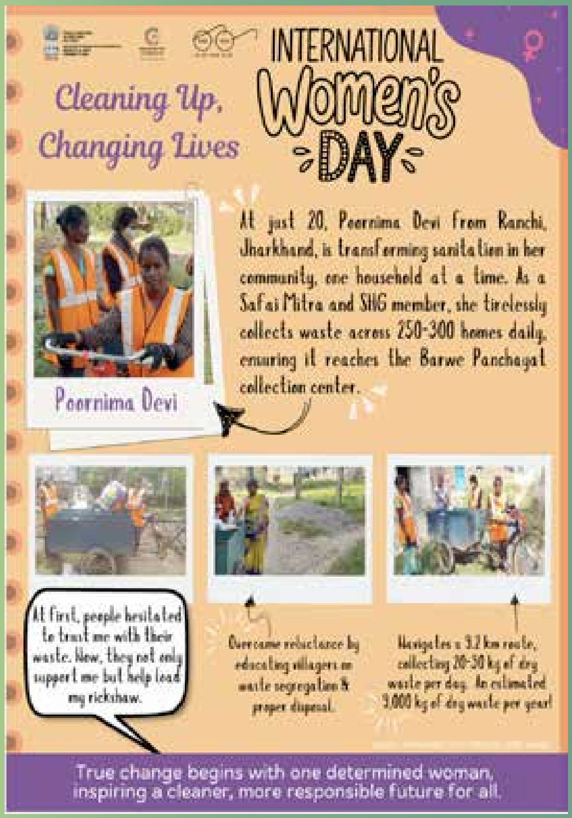

पूर्णिमा देवी उम्र 20 साल। रांची, झारखंड में निवास। स्वच्छता पहल में अपने पति का समर्थन करने और स्वयं सहायता समूह (SHG) के सदस्य होने के नाते, वह बार्वे पंचायत संग्रह केंद्र में घरों से कचरा इकट्ठा करने के लिए सफाई मित्र के रूप में शामिल हुईं। उनके और अन्य सफाई मित्रों द्वारा एकत्र किए गए कचरे को **फिर जिला ग्रामीण विकास प्राधिकरण, जिला परिषद रांची, HDFC बैंक और सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एजुकेशन के साथ साझेदारी में विकसित मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (MRF), रांची में ले जाया जाता है।**

2 स्वच्छता दीदियों की मदद से, पूर्णिमा **प्रत्येक दिन लगभग 250-300 घरों का दौरा करती है, प्लास्टिक की बोतलें, पैकेजिंग और पुनर्चक्रण योग्य जैसे 20-30 किलोग्राम सूखे कचरे** को इकट्ठा करती है। वह अपने **ट्राइसाइकिल-रिक्शा को 9.2 किमी के रास्ते** पर अथक रूप से चलाती हैं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि एकत्रित कचरा आगे की प्रक्रिया के लिए बार्वे पंचायत संग्रह केंद्र तक पहुंचे। प्रत्येक गांव से सप्ताह में एक बार संग्रह किया जाता है। बार्वे पंचायत में संग्रह अक्टूबर, 2024 से शुरू हुआ। नवंबर 2024 तक, लगभग 749 किलोग्राम सूखा और प्लास्टिक कचरा बार्वे, दाहू और हरचंदा से एकत्र किया गया और आगे की प्रक्रिया के लिए MRF में स्थानांतरित किया गया है।

*अधिक पढ़ने के लिए, **यहां क्लिक करें***

कचरे को परिवर्तित करने वाली पर्यावरणविद

गोवा के पोंडा के केंद्र में, एक असाधारण महिला दो दशकों से भी अधिक समय से पर्यावरणीय स्थिरता के लिए एक मूक क्रांति का नेतृत्व कर रही है। श्रीमती सुशांती कावलेकर, एक उत्साही पर्यावरणविद ने कचरे को एक संसाधन में बदल दिया है और पूरे समुदाय को पर्यावरण अनुकूल परिपाटियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया है। उनकी यात्रा, व्यक्तिगत जिम्मेदारी और एक स्वच्छ भविष्य के लिए एक दृष्टि में निहित है, यह इस बात का प्रमाण है कि कैसे एक व्यक्ति का कार्य महत वपूर्ण बदलाव की शुरुआत कर सकता है।

श्रीमती कावलेकर का स्थिरता के प्रति प्रयास घर से ही शुरू हुआ, जहां उन्होंने वर्मीकम्पोस्टिंग के साथ प्रयोग किया। स्थानीय विशेषज्ञ श्री पांडुरंग घाटे के मार्गदर्शन में, उन्होंने अपने रसोई के कचरे को पोषक तत्वों से भरपूर खाद में बदल दिया। छोटे से शुरू करते हुए, उन्होंने नारियल की भूसी, रेत, गाय के गोबर, और विशेष केंचुओं सावधानीपूर्वक लेयरिंग के साथ एक वर्मीकम्पोस्टिंग गड्ढे का निर्माण किया जैविक कचरे को कुशलतापूर्वक विघटित करने के लिए सभी मिलकर कार्य कर रहे थे। इस पहल ने न केवल लैंडफिल योगदान को कम किया, बल्कि एक हरे-भरे घरेलू बागीचा का भी पोषण किया, जो यह साबित करता है कि वास्तव में कचरे को कंचन में बदला जा सकता है।

अपने घर के अतिरिक्त, श्रीमती कावलेकर अपशिष्ट पृथक्करण, खाद और प्लास्टिक कचरे के पुनर्चक्रण के लिए एक मुखर समर्थक बन गईं। उन्होंने स्थानीय समुदायों को सक्रिय रूप से शिक्षित किया, स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रमों का नेतृत्व किया और स्वयं सहायता समूहों को जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन की आदतों को स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। स्थिरता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सार्वजनिक सफाई अभियान, मंदिर तालाब पुनर्स्थापन और यहां तक कि बाज़ार के हस्तक्षेप-विक्रेताओं और दुकानदारों को समान रूप से प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े से बने बैग का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहां क्लिक करें**

असम में दीपशिखा SHG की कहानी: कचरे से कंचन

सात साल पहले, असम के भोजो ग्राम पंचायत में, दस दृढ़निश्चयी महिलाओं के एक समूह ने अपने गांव में: अपर्याप्त अपशिष्ट प्रबंधन संबंधी एक ज्वलंत मुद्दे का समाधान करने के लिए एक साथ आयीं। लोलिता तासा माली के नेतृत्व में, इन महिलाओं ने दीपशिखा स्वयं सहायता समूह (SHG) का गठन किया और आर्थिक तथा सामाजिक रूप से स्वयं को सशक्त बनाते हुए कचरे को कंचन में बदलते हुए अपने समुदाय को बदलने की यात्रा शुरु की।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (PHED), नाजिरा प्रभाग ने चराइदेव जिला प्रशासन के साथ मिलकर उनकी पहल का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी यात्रा में प्रमुख उपलब्धियों में से एक सामग्री संग्रहण सुविधा (MCF) की स्थापना थी। यह केंद्र गांव के ठोस कचरा प्रबंधन हेतु एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया, जिससे कचरे के व्यवस्थित संग्रहण पृथक्करण और पुनर्चक्रण को सक्षम बनाया गया।

40 परिवारों में प्रतिदिन 29.6 किलोग्राम कचरा (0.74 किलोग्राम प्रति घर) उत्पन्न होता है, SHG ने अपशिष्ट संग्रहण और निपटान की जिम्मेदारी ली। उन्होंने भोजो मार्केट और भोजो रेलवे स्टेशन सहित परिवारों, व्यवसायों तथा सार्वजनिक क्षेत्रों से कचरा इकट्ठा करने के लिए तिपहिया साइकिलों का उपयोग किया। एकत्र किए गए कचरे में प्लास्टिक बैग, प्लास्टिक की पन्नी, बोतलें, बैटरी, चिकित्सीय अपशिष्ट और एल्यूमीनियम फॉयल शामिल थे। इस सुविधा ने न केवल अपशिष्ट प्रसंस्करण में मदद की, बल्कि एक शैक्षिक केंद्र के रूप में भी काम किया, अपशिष्ट पृथक्करण, पुनर्चक्रण और सुरक्षित निपटान परिपाटियों के बारे में जागरुकता बढ़ाई।

*अधिक पढ़ने के लिए, **यहां क्लिक करें***

परिवर्तन लाने वाली महिलाएं: ग्रामीण स्वच्छता में कुटेजा कुबरा की यात्रा

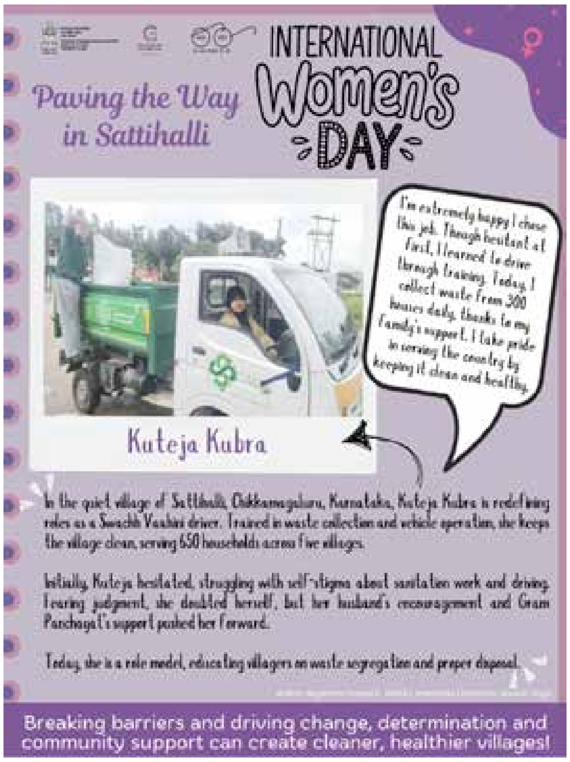

कर्नाटक के चिक्कमगलुरु के सत्तिहल्ली के शांत गांव में, कुटेजा कुबरा एक स्वच्छ वाहिनी चालक के रूप में बाधाओं का सामना करते हुए, यह साबित कर रही है कि दृढ़ संकल्प और समर्थन जीवन को बदल सकता है। वह **पांच गांवों में 650 परिवारों की** सेवा करती है, कचरा संग्रहण और निपटान के माध्यम से स्वच्छता सुनिश्चित करती है।

शुरू में, कुटेजा को हिचकिचाहट हो रही थी। स्वच्छता कार्य और कचरा ढोने वाले वाहन को चलाने के विचार ने सामाजिक लांछन को जन्म दिया जिसके निर्णय से उन्हें भय था तथापि, अपने **पति के प्रोत्साहन और ग्राम पंचायत के अटूट समर्थन के साथ,** उन्होंने चुनौती स्वीकार की। वाहन चलाना सीखना एक महत्वपूर्ण मोड़ था, जिससे उन्हें अपशिष्ट संग्रहण को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने के कौशल से परिपूर्ण बनाया।

आज, कुटेजा एक वाहन चालक से कहीं अधिक है-वह एक **सामुदायिक शिक्षिका** है, जो अपशिष्ट पृथक्करण और टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में जागरूकता का प्रसार करती हैं। हर दिन, वह **300 घरों से कचरा एकत्र करती है,** जिससे स्वस्थ वातावरण बनाए रखने में मदद मिलती है। उनकी कहानी इस बात का प्रमाण है कि कैसे महिला **सशक्तिकरण और स्वच्छता साथ-साथ चलती है।**

अधिक पढ़ने के लिए, ***यहां क्लिक करें***

जोत्सोमा में बदलाव: ODF प्लस उत्कृष्ट गांव की एक यात्रा

नागालैंड की शांत पहाड़ियों में, कोहिमा जिले का जत्सोमा गांव टिकाऊ स्वच्छता और समुदाय-चालित परिवर्तन के प्रतीक के रूप में खड़ा है। 3,863 निवासियों का घर, कोहिमा से सिर्फ 7 किमी दूर स्थित यह अंगामी नागा बस्ती दृढ़ संकल्प और सामूहिक प्रयास के माध्यम से खुले में शौच मुक्त (ODF) प्लस उत्कृष्ट गांव में विकसित हुई है।

जोत्सोमा को स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत 2 अक्टूबर, 2019 को ODF घोषित किया गया था। जोत्सोमा में परिवर्तन लाने में मुख्य भूमिका 32 वर्षीय सुश्री म्हासिविनो रिनो की हैं, जो एक स्वच्छाग्रही और स्वच्छता चैंपियन हैं। सामुदायिक लामबंदी और स्वच्छता जागरुकता में उनके अथक प्रयासों ने उन्हें मान्यता दिलाई है, जिसमें 26 जनवरी, 2024 को नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह देखने का निमंत्रण भी शामिल है। सुश्री रिनो और वाटसन समिति ने घर-घर अभियान, पारस्परिक संचार (IPC) और पोस्टर अभियान के माध्यम से स्वच्छता संबंधी संदेश का प्रसार किया। उनके प्रयासों ने यह सुनिश्चित किया है कि स्वच्छता एक साझा जिम्मेदारी और सामुदायिक गौरव का स्रोत बनी रहे।

स्वच्छता ही सेवा (SHS) 2024 के दौरान, सुश्री रिनो का समर्पण उनके गांव से आगे निकल गया उन्होंने किसामा गांव में CTU सफाई में सक्रिय रूप से भाग लिया, राजमार्ग सफाई पहल का नेतृत्व किया और अधिकारियों के साथ निर्बाध सहयोग किया। सुश्री म्हासिविनो रिनो की यात्रा जमीनी स्तर के नेतृत्व की शक्ति का उदाहरण है। अटूट समर्पण के माध्यम से, उन्होंने जोत्सोमा को एक मॉडल गांव में बदलने में मदद की है, यह साबित करते हुए कि सामूहिक कार्रवाई और सामुदायिक भावना आगे का मार्ग प्रशस्त करने के लिए स्तंभ हैं।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहां क्लिक करें**

मोनिका मिंज: कचरू, ओडिशा में स्वच्छता के माध्यम से जीवन को बदलना

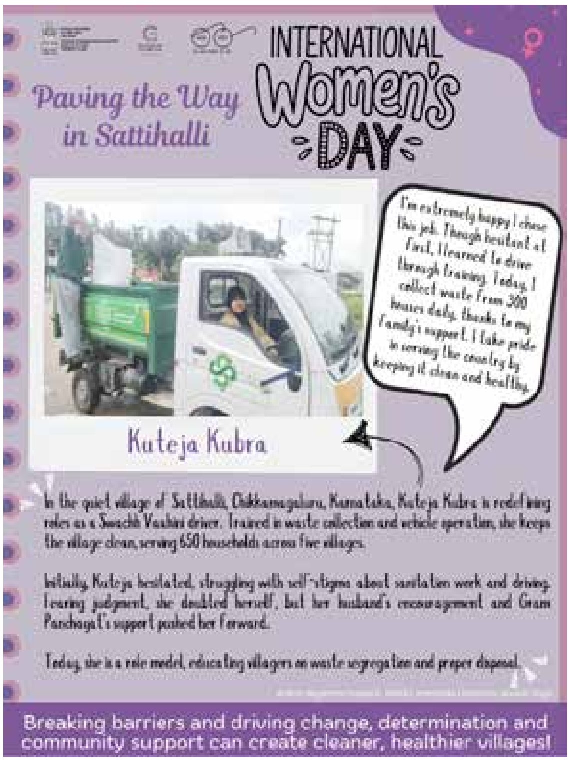

ओडिशा के कचरू के शांत गांव में, मोनिका मिंज सिर्फ कचरा इकट्ठा नहीं कर रही हैं-वह जीवन बदल रही हैं। सुंदरगढ़ जिले के कुआरमुंडा ब्लॉक में स्वच्छता साथी के रूप में, मोनिका अपनी ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले छह गांवों में अपने आस-पास के वातावरण को साफ करने, कचरे को अलग करने और सामुदायिक सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास करती हैं। अपने प्रयासों के माध्यम से, उन्होंने स्वच्छता कार्य को फिर से परिभाषित किया है, सामाजिक लांछन को समाप्त किया है और सामुदायिक धारणाओं में सकारात्मक बदलाव को प्रेरित किया है। मोनिका अपने दिन की शुरुआत हर सुबह गांवों में साइकिल चलाकर करती हैं और रामपुर, सिलाजोर, संदलकी, पसारा, बिजूबंध तथा अपने गांव, कचरू के 1,200 परिवारों से सूखा कचरा इकट्ठा करती हैं। उनका समर्पण यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक परिवार उचित अपशिष्ट निपटान में भाग ले, स्वच्छता को समुदाय के नेतृत्व वाले प्रयास में बदल दे।

यात्रा 2021 में यूनिसेफ के समर्थन से जिला प्रशासन द्वारा "आमा सुंदरगढ़ स्वच्छ सुंदरगढ़ पहल" के शुभारंभ के साथ शुरू हुई। इस पहल का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों (SHG) में महिलाओं के लिए आजीविका का निर्माण करते हुए गैर-बायोडिग्रेडेबल कचरे का स्थायी रूप से प्रबंधन करना है। तथापि, जब मोनिका के SHG से संपर्क किया गया, तो सभी दस सदस्य शुरू में स्वच्छता कार्य से जुड़े लांछन के कारण पीछे हट गए। दृढ़ता के माध्यम से, मोनिका और स्वच्छता साथी ललिता तोरेई ने समुदाय को जिम्मेदार अपशिष्ट निपटान संबंधी परिपाटियों को अपनाने के लिए आश्वस्त किया। आज, उन्होंने ओडिशा सरकार से प्रशंसा प्राप्त करते हुए 7.5 मीट्रिक टन ठोस कचरे का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया है। कछारू ग्राम पंचायत को राज्य भर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में सर्वश्रेष्ठ के रूप में मान्यता दी गई थी।

अधिक पढ़ने के लिए, **यहां क्लिक करें**

स्वच्छता
समाचार

शुशुम लता- ग्रामीण बिहार में परिवर्तन का प्रतीक

बिहार के भोजपुर जिले के दावा ग्राम पंचायत जगदीशपुर ब्लॉक में मुखिया श्रीमती शुशुम लता उल्लेखनीय परिवर्तन का नेतृत्व कर रही हैं। उनके नेतृत्व ने चुनौतियों को अवसरों में बदल दिया जो उनके गांव को स्वच्छता का एक मॉडल, स्थिरता और आत्म-निर्भर बनाता है। स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन से लेकर मासिक धर्म स्वास्थ्य जागरुकता तथा शिक्षा तक, उनका कार्य यह साबित करता है कि जमीनी स्तर पर नेतृत्व स्थायी परिवर्तन कैसे ला सकता है।

जब श्रीमती लता ने पदभार संभाला, तो स्वच्छता एक बड़ी चुनौती थी - सड़कें कूड़े से भरी थीं और अपशिष्ट निपटान अपर्याप्त था। उनके नेतृत्व में, दावा दिसंबर 2016 तक खुले में शौच मुक्त (ODF) बन गया, यह सुनिश्चित करते हुए कि SBM-G के तहत हर परिवार में शौचालय तक पहुंच थी, तथापि, वह जानती थी कि शौचालय बनाना पर्याप्त नहीं था, व्यवहार परिवर्तन और अपशिष्ट प्रबंधन महत्वपूर्ण थे। लता ने अपने प्रयास में आगे बढ़कर SBM-G चरण II के तहत एक ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन इकाई की स्थापना की, जो कचरे को जैविक खाद में बदलने में मदद करती है जिसका स्थानीय किसान उपयोग करना जारी रखते हैं। पंचायत अब अपशिष्ट प्रसंस्करण से प्रति माह 15,000 रुपये कमाती है, जो यह साबित करती है कि स्वच्छता पर्यावरण और आर्थिक दोनों तरह की परिसंपत्ति हो सकती है।

उन्होंने कचरे के ढेर को – जो किसी समय डुन्मराव महाराजा के ऐतिहासित दरबार का स्थान होता था – आधुनिक बाजार में बदलने, स्थानीय कारोबार को बढ़ावा देने तथा नए आर्थिक अवसर के कार्य का नेतृत्व किया। श्रीमती लता ने शिक्षा और छात्रों के जुड़ाव को बदलने की दिशा में भी काम किया है, जो समस्याओं को दूर करने के लिए नियमित अभिभावक-शिक्षक बैठकों को सक्षम बनाकर किया गया। मुद्दों और समस्याओं के बारे में सूचित करने के लिए छात्रों और शिक्षकों के लिए एक शिकायत पेटिका स्थापित की गई थी शिक्षा का अधिक आकर्षक बनाने के लिए खेल, भाषण प्रतियोगिताओं और सुधारात्मक ट्यूशन कक्षाओं का आयोजन किया गया। परिणाम उत्साहजनक रहे हैं जहां स्कूल में लड़कियों की उपस्थिति के आने में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ स्कूल में उपस्थिति 95% तक बढ़ गई है - शिक्षा में लैंगिक समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

*अधिक पढ़ने के लिए, **यहां क्लिक करें***

स्वच्छता
समाचार

स्वच्छता लेंस

मतभेदों को पहचानें

(क)

(ख)

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI

सत्यमेव जयते

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छता समाचार के अगले अंक में योगदान करने के लिए, हर महीने की 15 तारीख से पहले swachhbharat@gov.in पर अपनी प्रस्तुति साझा करें।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA
सत्यमेव जयते

विशेष सचिव का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार।

चौथी मंजिल, पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन, CGO कॉम्प्लेक्स,
लोधी रोड, नई दिल्ली–110003
फोनः 011–24362192 | ईमेलः arun.baroka@nic.in